फार्म एफ–1
((नियम 3 (1)))
वृहद आर्थिक ढांचा संबंधी विवरण

अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन

1. राज्य में सकल घरेलू उत्पाद स्थिर भावों (वर्ष 2004–05) पर वर्ष 2012–13 की तुलना में वर्ष 2013–14 में 4.99 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई है। वर्ष 2013–14 में कृषि (कृषि, पशुपालन, वन एवं मत्स्य पालन सम्मिलित) के सकल घरेलू उत्पाद में पिछले वर्ष की तुलना में 1.38 प्रतिशत वृद्धि हुई है। उद्योग क्षेत्र में (निर्माण, विनिर्माण, खनन एवं उत्खनन, विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति सम्मिलित) में सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2012–13 की तुलना में वर्ष 2013–14 में, वृद्धि 5.19 प्रतिशत हुई। सकल घरेलू उत्पाद के सेवा क्षेत्र (तृतीयक क्षेत्र) में निरंतर वृद्धि परिलक्षित हो रही है, वर्ष 2013–14 में वर्ष 2012–13 की तुलना में यह वृद्धि 6.65 प्रतिशत रही।

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर स्थिर भावों (वर्ष 2004–05)पर

2. वर्ष 2013–14 में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 4.99 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई है। सकल घरेलू उत्पाद के प्राथमिक क्षेत्र (कृषि, वन, मत्स्य पालन एवं खनिज शामिल) में 2.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद का द्वितीयक क्षेत्र जिसमें निर्माण, विनिर्माण, विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति शामिल है, में वर्ष 2012–13 की तुलना में वर्ष 2013–14 में 5.20 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई। सकल राज्य घरेलू उत्पाद के तृतीयक क्षेत्र में यह वृद्धि वर्ष 2013–14 में 6.65 प्रतिशत रही।

राज्य के वित्त

3. राज्य गठन के पश्चात् प्रारंभिक वर्षो में राजस्व संग्रहण लक्ष्य के अनुरूप न होने तथा राज्य के नये स्थापना संबंधी व्यय अधिक होने के कारण राज्य वर्ष 2003–04 तक राजस्व घाटे की स्थिति में रहा । राजस्व घाटा का प्रभाव राज्य के वित्तीय घाटे में पड़ता है, इस कारण राज्य के वित्तीय घाटे में उक्त अवधि में वृद्धि हुई ।

4. राज्य के राजस्व आय में वृद्धि हेतु किये गये उपायों के कारण वर्ष 2004–05 से लगातार राज्य राजस्व अधिशेष की स्थिति में रहा है । वर्ष 2012–13 के राजस्व अधिशेष 2606.25 करोड़ की तुलना में वर्ष 2013–14 में राजस्व अधिशेष में कमी हुई है । वर्ष 2013–14 में राजस्व घाटा 809.31 करोड़ था । राज्य के राजस्व अधिशेष में कमी राजस्व व्यय में वृद्धि एवं राजस्व प्राप्तियों में कमी के कारण है ।

संभावनाएं

5. वर्ष 2014-15 के अग्रिम अनुमानों में प्राथमिक क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, वन एवं खनिज शामिल) में स्थिर भावों (वर्ष 2004-05) पर राज्य घरेलू उत्पाद में वर्ष 2013-14 की तुलना में 3.85 प्रतिशत वृद्धि की सम्भावना है। इसी प्रकार द्वितीयक क्षेत्र के राज्य घरेलू उत्पाद में वर्ष 2014-15 में 4.29 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है। तृतीयक क्षेत्र में गतवर्ष की तुलना में 8.70 प्रतिशत की वृद्धि सम्भावित है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद में गतवर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2014-15 अग्रिम अनुमानों में 5.86 प्रतिशत वृद्धि होने की सम्भावना है।

6. वर्ष 2014-15 में राजस्व अधिशेष की स्थिति बनी रहने की संभावना है । अन्य बातों के साथ राज्य के कर तथा करेत्तर राजस्व संग्रहण क्षमता में वृद्धि तथा व्यय प्रबंधन में सुधार की संभावना है । छत्तीसगढ़ राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबंधन अधिनियम, 2005 के निहित प्रावधानों के अनुरूप ही वित्तीय घाटा सीमित रहने की संभावना है ।